दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

# असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 323 ■ दमण, मंगलवार 15, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

**केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुंबई में हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को किया संबोधित**

# मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को शासन, विज्ञान और साहित्य में एक-दूसरे से जोड़कर उन्हें और समृद्ध बना रही है:अमित शाह

■ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल में राजभाषा विभाग ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं ■ हिंदी शब्द-सिंधु अब 8 लाख शब्दों तक पहुँचा, 2029 तक यह विश्व का सबसे बड़ा शब्दकोश बनेगा ■ भाषाई विवाद खड़ा करने वालों को गृह मंत्री का संदेशः बच्चे अपनी मातृभाषा में ही भारत को सही ढंग से समझ सकते हैं ■ राजभाषा हिंदी का जुड़ाव देशभर की सभी भाषाओं से है, मैं गुजराती भाषी हूँ, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर काम करने में हिंदी के कारण कभी कोई कठिनाई नहीं हुई ■ माँ के दुलार और बहन-भाई के प्यार को मातृभाषा के सिवाय कोई समझ नहीं सकता ■ मोदी सरकार ने मातृभाषा के साथ एक और भारतीय भाषा सीखने को बल दिया, क्योंकि दूसरी भारतीय भाषा सीखने का अर्थ है 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' से जुड़ना ■ जब व्यक्ति अपनी मातृभाषा में सोचता, विश्लेषण करता और सृजन करता है, तो उसका परिणाम सदैव बेहतर होता है ■ राजभाषा विभाग ने वीर सावरकर जी के गढ़े अनेक शब्दों को 'हिंदी शब्द सिंधु' में जोड़ने का काम किया ■ भाषाएँ अनेक रहें, इसमें कोई आपत्ति नहीं, भावना भारतीय रहनी चाहिए; बोलियाँ अनेक रहें, भारत की आवाज़ एक रहनी चाहिए - मोदी सरकार में 2019 से अब तक राजभाषा समिति के चार खंड राष्ट्रपति जी को सौंप दिए गए हैं और पाँचवाँ खंड तैयार है ■ अकआधारित कंठस्थ 2.0 को पाँच करोड़ से अधिक वाक्यों के साथ विदेशियों के लिए भी खोला ■ केन्द्रीय गृह मंत्री ने राजभाषा कीर्ति और राजभाषा गौरव पुरस्कार भी प्रदान किए ■ गृह मंत्री ने शिव अनादि हैं, अनंत हैं, भारतीय ज्ञानतंत्र : स्रोत और स्वरूप, अँधेरों से उजालों तक, वन्दे मातरम् पर केंद्रित राजभाषा भारती की विशेष स्मारिका तथा वंदे मातरम् के 150 अध्याय प्रकाशनों का विमोचन किया

पीआईबी नई दिल्ली, 14 सितंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज मुंबई में हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे एवं श्रीमती सुनेत्रा पवार, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय एवं श्री बंडी संजय कुमार और राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने हिंदी दिवस और गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मणिकंचन योग है कि आज हिंदी दिवस और गणेश चतुर्थी दोनों है। उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश भारतीय भाषाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे और मार्ग की बाधाओं का हरण करेंगे। गृह मंत्री ने इस अवसर पर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का स्मरण करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेश उत्सव की शुरुआत 1893 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाराज ने की थी। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज ने इस देश की नब्ज सही पकड़ी थी। उन्होंने गहराई से समझा था कि इस देश में जागरूकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद इसकी संस्कृति और इसके इतिहास के माध्यम से ही लाया जा सकता है। इसलिए उन्होंने गणेश उत्सव और छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि देखते-देखते ये दोनों उत्सव पूरे देश में मनाए जाने लगे। इन दोनों उत्सवों से अंग्रेजों को बहुत परेशानी हुई। तिलक महाराज ने इन दोनों उत्सवों के माध्यम से देशभक्ति का बड़ा ज्वार पैदा किया। श्री शाह ने कहा कि महाराष्ट्र की भूमि परंपराओं और विशाल सोच की भूमि है। उन्होंने कहा कि जब भक्ति आंदोलन हुआ, तब महाराष्ट्र की भूमि के अनेक संतों ने ऐसी रचनाएं कीं, जिनसे देशभर में भक्ति आंदोलन को बल मिला। यह छत्रपति शिवाजी महाराज जी की भूमि है, जिन्होंने स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा को स्वराज का मूल अंग बनाया। शासन में मराठी को महत्व देकर उन्होंने अपनी भाषा का कोष निर्मित किया। इसी माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज और हिंदवी स्वराज के काल तक यहाँ का शासन चलता रहा। श्री अमित शाह ने कहा कि आज कार्यक्रम में हिंदी शब्द संसाधन, हिंदी टंकण और आशुलिपि के प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। गृह मंत्री ने राजभाषा कीर्ति और राजभाषा गौरव पुरस्कार भी प्रदान किए। उन्होंने राजभाषा कीर्ति सम्मान और राजभाषा गौरव पुरस्कार प्राप्त करने वालों को बधाई दी। श्री शाह ने कहा कि आज 'शिव अनादि हैं, अनंत हैं', 'भारतीय ज्ञानतंत्र : स्रोत और स्वरूप', 'अँधेरों से उजालों तक', राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' पर केंद्रित राजभाषा विभाग की पत्रिका 'राजभाषा भारती' की विशेष स्मारिका, तथा 'वंदे मातरम के 150 अध्याय' जैसे प्रकाशनों का विमोचन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 'वन्दे मातरम्' कोई साधारण गीत नहीं है। यह घनघोर गुलामी के कालखंड में भारतीय चेतना को जागृत करने का बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी का महान प्रयास था। उन्होंने अपनी कविता से भारत की सोई हुई चेतना को झकझोरने का काम किया। 'आनंदमठ' में लिखा गया उनका गीत 'वन्दे मातरम्' देखते-देखते पूरे भारत में स्वतंत्रता की उद्घोषणा बन गया। 'वन्दे मातरम्' की इस उद्घोषणा के जरिए बंकिमचंद्र जी ने न केवल स्वतंत्रता प्राप्ति की उत्कंठा और तीव्र भावना को जागृत किया, बल्कि भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव भी डाली। श्री शाह ने कहा कि दुर्भाग्य से बाद में 'वन्दे मातरम्' के टुकड़े कर दिए गए। स्वतंत्रता के बाद भी इसे इसके पूर्ण स्वरूप में स्वीकार करने में देश की संसद को लगभग 80 वर्ष लग गए। उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने 'वन्दे मातरम्' को पुनः उसके पूर्ण स्वरूप और पूर्ण गौरव के साथ सरकारी समारोहों में गाए जाने की पहल की। श्री अमित शाह ने कहा कि आज 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष और छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि पर आयोजित हिंदी दिवस कार्यक्रम आगामी दिनों में राजभाषा और भारतीय भाषाओं की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। महाराष्ट्र की बहुभाषी संस्कृति को नमन करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यहाँ मराठी का सम्मान है और होना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही सबसे पहले मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया। महाराष्ट्र की भूमि पर कोंकणी, गुजराती, सिंधी, हिंदी, कन्नड़, वारली सहित अनेक भाषाओं का भी विकास हुआ, उन्हें सम्मान और स्वीकृति भी मिली। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में महाराष्ट्र ही सबसे बड़ा बहुभाषी प्रदेश है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं उप-मुख्यमंत्रियों को महाराष्ट्र शासन में सभी को स्वीकार करने वाला तंत्र स्थापित करने पर बधाई भी दी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने आचार्य विनोबा भावे को उद्धृत करते हुए कहा कि ''यदि मैंने हिंदी का सहारा न लिया होता, तो कश्मीर, असम और केरल के गाँव-गाँव जाकर भूदान-ग्रामदान का क्रांतिपूर्ण संदेश अपनी जनता तक न पहुँचा सकता। यदि मैं किसी अन्य भाषा का सहारा लेता, तो गाँवों में काम ही नहीं कर पाता। राजभाषा ही थी जिसने मुझे हर गाँव के साथ संवाद करना सिखा दिया।'' गृह मंत्री ने कहा कि राजभाषा का यह जुड़ाव देशभर की सभी भाषाओं के साथ है, क्योंकि ये सभी भाषाएँ सदियों से देश की बोलचाल में रही हैं और सैकड़ों वर्षों से परस्पर व्यवहार में हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद गुजरात से आते हैं और गुजरात में हिंदी नहीं, गुजराती बोली जाती है। किंतु जब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का दायित्व दिया गया, तब देशभर में काम करने में उन्हें कोई कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि वह हिंदी समझते और बोलते हैं। उन्होंने कहा कि राजभाषा ने उन्हें देशभर में कार्य करने का बहुत बड़ा अवसर दिया। श्री अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र वीर सावरकर की भूमि है। सावरकर जी अपने समय के सबसे विद्वान भाषा-शास्त्री थे। उन्होंने अनेक ऐसे शब्दों की रचना की, जो भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ही नहीं थे। उन सभी शब्दों को मराठी, राजभाषा और देश की अन्य भाषाओं में सहज स्वीकृति मिली। उन्होंने तिलक जी के पत्र को आत्मसात कर मराठी भाषा का शुद्धीकरण करने का कार्य भी किया। श्री शाह ने कहा कि वीर सावरकर जी ने जितने भी शब्द संशोधित किए और रचे, राजभाषा विभाग ने उन सभी को ऑनलाइन शब्दकोश 'हिंदी शब्द-सिन्धु' में स्वीकार कर सावरकर जी का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने सोच-समझकर ही 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करने का निर्णय किया था। उन्होंने कहा कि जबसे मोदी जी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से राजभाषा विभाग ने ढेरों उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने सबसे बड़ा कार्य नई शिक्षा नीति में किया है। मोदी जी ने प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा सीखना अनिवार्य कर दिया है। (समाचार का शेष पेज 3 पर)

## दमण एसपी केतन बंसल ने सपरिवार जेटी के राजा गणपति बप्पा का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। दमण शहर में जेटी ग्रुप द्वारा गणेश चतुर्थी के दिन विधि-विधान से जेटी के राजा गणपति बप्पा की स्थापना की गई है। बडी संख्या में भक्त पहुंचकर बप्पा का आशीर्वाद ले रहे हैं। गणेश उत्सव के पहले दिन दमण एसपी केतन बंसल ने सपरिवार जेटी के राजा भगवान गणेश के दरबार में पहुंचकर दर्शनकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही परिवार एवं देश की सुख-शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की। इस अवसर पर गणेश उत्सव आयोजकों में कल्पेश सीताराम एवं उनकी टीम मौजूद रही।

## पूर्व सांसद लालू पटेल ने जेटी के राजा गणपति बप्पा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने गणेश उत्सव के पहले दिन आज जेटी के राजा भगवान गणेश के दरबार में पहुंचकर दर्शन किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद लालू पटेल ने विघ्नहर्ता के आशीर्वाद लिये और देश एवं प्रदेश की सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर जेटी ग्रुप के आयोजकों की उपस्थिति रही।

## विश्वकर्मा युवक मंडल के गणेश महोत्सव में पहुंचे काउंसिलर अस्पी दमणिया: बप्पा की आरती उतारकर लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। डीएमसी वॉर्ड नं. 7 स्थित विश्वकर्मा मंदिर परिसर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विश्वकर्मा युवक मंडल और स्थानीय श्रद्धालुओं ने मिलकर भगवान गणेश की प्रतिमा पूरे विधि-विधान से स्थापित की। मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर था, जहां समुदाय के लोग भगवान के दर्शन और नमन करने के लिए एकत्रित हुए। प्रतिमा स्थापना के बाद भव्य आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया ने अनिलभाई, डॉ. हर्षद वैद्य, जिमी, जयेश और विश्वकर्मा युवक मंडल के अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ आरती में शामिल होकर बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर दमण और संपूर्ण देश में सांप्रदायिक सौहार्द, शांति और भाईचारे की प्रार्थना की। आयोजकों और श्रद्धालुओं ने विघ्नहर्ता भगवान गणेश से सभी को उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करने का आशीर्वाद माँगा। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

## हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले- 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूं।' इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

## भाकपा ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत किया, वैश्विक व्यवस्था में सुधार की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत कर एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा में ब्रिक्स समूह को नेतृत्व करने की वकालत की है। भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक में सुधार का आह्वान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भारत और अन्य विकासशील देशों को शामिल करने के प्रयासों में तेजी लाने पर जोर दिया। भाकपा महासचिव राजा ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर भारत-चीन संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो भाकपा के लंबे समय से चले आ रहे रुख को मजबूत करता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर ब्रिक्स देशों द्वारा जाहिर की गई स्पष्ट चिंता और गाजा में तत्काल संघर्षविराम के आह्वान का भी स्वागत किया।

## ठाणे में नाबालिग के यौन उत्पीड़न पर मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नाबालिग छात्रा का एक साल से भी अधिक समय तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय मेडिकल प्रतिनिधि अमित प्रजापति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने इस जघन्य अपराध को छुपाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को धमकियां दी थीं। इतना ही नहीं, उसने हाल ही में मामले को रफा-दफा करने के लिए परिवार को छह लाख रुपये की मोटी रकम की पेशकश की थी। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता के हस्तक्षेप और सहयोग के बाद ही पीड़िता के परिवार ने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हुई। पुलिस ने अमित प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने लड़की की उम्र का खुलासा नहीं किया है।

## गुवाहाटी महिला हत्याकांड : आरोपी पति की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मौत हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया जा रहा था। तभी आरोपी ने नरकासुर हिल इलाके में चलती पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को रोकने के लिए गोली चलाई, जो रामानुज को लगी। बाद में आरोपी को मृत घोषित किया गया। रामानुज गोस्वामी पर अपनी पत्नी रिया गोस्वामी की निर्मम हत्या का आरोप था। रिया का कटा हुआ सिर गुवाहाटी स्थित उनके घर के रेफ्रिजरेटर से बरामद हुआ था, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध किया था। पुलिस के मुताबिक, गोस्वामी ने एक घरेलू झगड़े के बाद रिया की हत्या कर दी थी। रिया की कथित हत्या के दो दिन बाद, रामानुज ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था और पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, रिया और रामानुज की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और वे हाटीगांव स्थित अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। मूल रूप से गौरीपुर का रहने वाला रामानुज उबर ड्राइवर का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी एक बुटीक में कार्यरत थी।

# ब्रिक्स की सफलता भारत की कूटनीतिक सफलता: यशवंत सिन्हा

### पुतिन-शी समेत सभी राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी, संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय वार्ताओं को बताया भारत की बड़ी उपलब्धि

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के समापन के बाद पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसे भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता को तीन प्रमुख बिंदुओं में समझाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की मौजूदगी के साथ संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय बैठकों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

सिन्हा ने एक बातचीत में कहा कि सम्मेलन की पहली सफलता यह रही कि जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत ने आमंत्रित किया था, वे सभी सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी को अहम बताया। उनके मुताबिक, सम्मेलन के बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी होना दूसरी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार अधिकारियों के प्रयासों से इस पर सहमति बनी। यशवंत सिन्हा ने सम्मेलन की तीसरी उपलब्धि के तौर पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सम्मेलन के दौरान सभी महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठकें कीं, जिससे कूटनीतिक स्तर पर संवाद को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

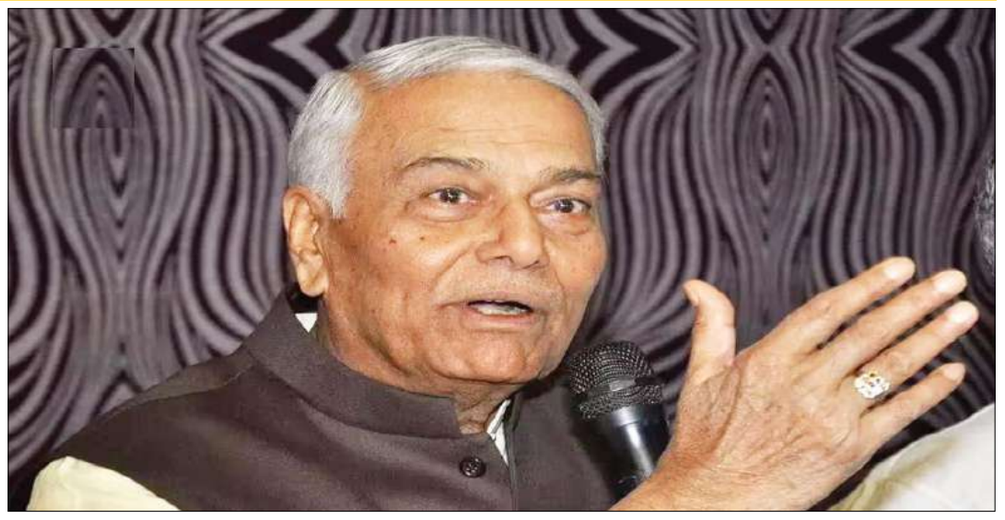

चीन से बातचीत जरूरी, लेकिन भरोसा नहीं

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक पर सिन्हा ने कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन लगातार भारत को परेशान करता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई। रात्रिभोज में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि वह द्विपक्षीय वार्ता से खुश नहीं थे।

ईरान और गाजा के मुद्दे पर भी भारत की भूमिका अहम

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की भारत यात्रा को भी सिन्हा ने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले तथा ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत के बाद भारत की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई थी, ऐसे में ईरानी राष्ट्रपति का ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होना अहम है।

सिन्हा ने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भी भारत के रुख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 12 वर्षों में भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

## लोग अब नफरत करते हैं कांग्रेस से : केजरीवाल

### - आप संयोजक का दावा- भाजपा का वोटर कांग्रेस को नहीं, आप को वोट देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब और गोवा में कांग्रेस से अलग चुनाव लड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कि उनकी पार्टी विपक्ष के वोटों को विभाजित नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा से नाराज मतदाताओं का एक वर्ग कांग्रेस को वोट नहीं देता, जबकि आम आदमी पार्टी उसे स्वीकार्य है। गोवा चुनाव के संदर्भ में दिए बयान में केजरीवाल ने कहा कि यह मानना गलत है कि आप के अलग चुनाव लड़ने से केवल गैर-भाजपा वोटों का बंटवारा होगा। उनके मुताबिक, ऐसा मानने का अर्थ यह है कि आप को सिर्फ गैर-भाजपा मतदाता ही वोट देता है और भाजपा का मतदाता कभी आप के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने कहा कि यह धारणा कांग्रेस के लिए सही हो सकती है, लेकिन आम आदमी पार्टी के लिए नहीं। केजरीवाल ने दिल्ली के चुनावी आंकड़ों का उदाहरण देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में आप को करीब 52 प्रतिशत वोट मिलते थे, जबकि लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर करीब 32 प्रतिशत रहा। उनके अनुसार, लोकसभा चुनाव में आप के करीब 20 प्रतिशत कम हुए वोटों का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया, जबकि ये मतदाता विधानसभा चुनाव में आप को वोट देते थे। उन्होंने दावा किया कि ये लोग कांग्रेस को वोट नहीं देते। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से नाराज या असंतुष्ट मतदाताओं का वोट भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा के मजबूत गढ़ में भी आप को भाजपा के मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनके मुताबिक, भाजपा का मतदाता आप को वोट देने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन कांग्रेस को वोट नहीं देता। इसी आधार पर उन्होंने आप के अलग चुनाव लड़ने को वोट-कटवा राजनीति बताए जाने को गलतफहमी करार दिया।

## जितनी भाषाएं सीख सकें, सीखें, लेकिन अपनी भाषा न छोड़ें

### -हिंदी दिवस पर अमित शाह ने जेन-जी से की अपील

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के साथ अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है और यही विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करती है।

अमित शाह ने युवाओं से कहा कि वे दुनिया की जितनी भाषाएं सीख सकते हैं, सीखें, लेकिन अपनी भाषा को न छोड़ें। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में हीन भावना महसूस करना गलत है। भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदी संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के तौर पर देश के अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। हालांकि, हिंदी का विकास तभी सार्थक है जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

## फडणवीस सरकार के खिलाफ दीपके ने किया आंदोलन का ऐलान

### - एमपीएससी पेपर लीक और छात्र आत्महत्या बना मुद्दा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चीफ अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र में भाजपा नीत फडणवीस सरकार के खिलाफ एक बार फिर आंदोलन छेड़ने का बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के साथ सफल आंदोलन के बाद, दीपके अब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ अपनी पार्टी और छात्रों के साथ मैदान में उतरेंगे। सीजेपी बीते कुछ दिनों से लगातार फडणवीस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, और अब पार्टी ने आंदोलन की घोषणा कर दी है।

सीजेपी ने विज्ञप्ति में कहा कि एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रखा जाएगा। पार्टी ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर 24 सितंबर तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे एमपीएससी अभ्यर्थियों से बातचीत करने के लिए राज्यव्यापी दौरा भी करेंगे। एमपीएससी अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद दीपके ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं और सीजेपी एमपीएससी अभ्यर्थियों की इस लड़ाई में उनके साथ हैं। हम अभ्यर्थियों के साथ तब तक खड़े रहेंगे, जब तक इस्तीफा नहीं हो जाता। दीपके और अन्य नेता महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अलग-अलग ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले के कुछ अभ्यर्थियों ने छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके स्थित दीपके के घर पर उनसे मुलाकात भी की थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। इससे पहले अभिजीत दीपके ने करीब एक महीने पहले जंतर-मंतर आंदोलन का सीजन 2 जल्द आने की बात कही थी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर युवाओं से डराने का आरोप लगाया था। इस बीच अभिजीत दीपके ने फडणवीस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे मनोज जरांगे को भी समर्थन दिया। दीपके बीते शुक्रवार को जरांगे से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी मांगों को समझने के लिए उनसे बातचीत करनी चाहिए। दीपके ने सवाल उठाया, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? वे

अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं, वहीं यहां के स्कूलों का स्तर ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार को चेतावनी भी दी कि जरांगे के साथ सोनम वांगचुक जैसा व्यवहार करने की कोशिश न करे, वरना पूरा महाराष्ट्र आंदोलन में शामिल हो जाएगा।

## राज्यसभा सांसदों के दल-बदल से आप को सबक, बनाए कड़े नियम

### -राघव चड्ढा के जाने के बाद सजग हुई आम आदमी पार्टी

**गोवा, एजेंसी।**
आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं के दल-बदल को लेकर सख्ती बरतने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि भविष्य में किसी भी नेता को राज्यसभा भेजने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे चुने हुए नेताओं ने कभी किसी को भी धोखा नहीं दिया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण देते हुए कहा, गोवा में हमारे पास 2022 में दो विधायक थे। भाजपा को सिर्फ एक विधायक की जरूरत थी, लेकिन वे हमारे विधायकों को नहीं तोड़ पाए।

हालांकि, राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने को केजरीवाल ने एक बड़ा सबक बताया

है। उन्होंने कहा, राज्यसभा के मामले में यह हमारे लिए सबक है। अब किसी को भी राज्यसभा भेजने से पहले हम उनकी कड़ी जांच पड़ताल करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वे सही हैं या नहीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। अप्रैल में आप के सात सांसदों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में विलय कर लिया था। राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, स्वाती मालीवाल, हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता का नाम इसमें शामिल था। इस टूट से पहले भारत के उच्च सदन में आप के सांसदों की संख्या 10 थी, लेकिन दो तिहाई से ज्यादा सदस्यों के अलग होने के बाद महज 3 बचे हैं, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

हाल ही में आप और राघव चड्ढा के बीच उनके मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर जमकर विवाद भी देखने को मिला था। दरअसल, पंजाब में एसआईआर (समरी रिवीजन ऑफ इलेक्टोरल रोल्स) प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से चड्ढा का नाम कट गया था, जिसके आरोप उन्होंने आप सरकार पर लगाए थे। चड्ढा ने कहा था, पंजाब की आप सरकार अब बदले की राजनीति को मसौदा मतदाता सूची तक ले आई है। मैं पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हूं और मेरा मतदाता पहचान पत्र पंजाब के मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद मसौदा मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप सरकार के अधिकारियों ने ही उनके नाम को स्थानांतरित के तौर पर चिह्नित और सत्यापित किया।इस पर आप ने जवाब देते हुए कहा था, यह सार्वजनिक जानकारी है कि राघव चड्ढा दिल्ली में रह रहे हैं, पंजाब में नहीं। अगर वह अब पंजाब में नहीं रहते हैं तो अपने मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करवाना उनकी अपनी जिम्मेदारी थी।

## पीके की मुसलमानों को सलाह- किसी पार्टी का पिछलग्गू बनने की जरूरत नहीं

### -बांकीपुर में अल्पसंख्यक सम्मेलन में बोले प्रशांत किशोर- राजनीति में उचित हिस्सेदारी के लिए समुदाय को खुद संघर्ष करना चाहिए

**पटना, एजेंसी।**
जन सुराज पार्टी के प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुसलमानों से राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए खुद पहल करने की अपील की है। रविवार को पटना के मुस्लिम बहुल सब्जीबाग इलाके में आयोजित अल्पसंख्यक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय को किसी भी राजनीतिक दल का पिछलग्गू बनने के बजाय राजनीति में अपनी उचित हिस्सेदारी के लिए स्वयं संघर्ष करना चाहिए। प्रशांत किशोर ने हाल के बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम समुदाय के

समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि अब अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की कोशिश होनी चाहिए, जिसमें उन्हें लोकतांत्रिक राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक वर्गों के लोगों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करनी चाहिए और खुद को हितैषी बताने वाले नेताओं के बहकावे में नहीं आना चाहिए।

बिहार की राजनीति में मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल की ओर माना जाता रहा है। हालांकि, बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम बहुल इलाकों से जन सुराज के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान होने की चर्चा रही है।

बांकीपुर में पहली बार जीती जन सुराज

बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज की जीत को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह चुनाव प्रशांत किशोर की पार्टी द्वारा लड़ा गया पहला चुनाव था, जिसमें उसे जीत मिली। बांकीपुर को लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। इससे पहले भाजपा के नितिन नवीन इस सीट से विधायक थे। उनके राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें प्रशांत किशोर विजयी रहे।

## सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय- फंसे पैसे के लिए इस तरह से करे ऑनलाइन आवेदन

### -जान लें क्या हैं जरूरी दस्तावेज

**नई दिल्ली,, एजेंसी।**
उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जिनका पैसा सहारा समूह की विभिन्न योजनाओं में फंसा हुआ है। केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल को फिर सक्रिय कर दिया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हुई है। इसके साथ ही, अब अन्य पात्र जमाकर्ता भी अपना पैसा वापस पाने के लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकते हैं। यदि आपका भी पैसा सहारा में अटका हुआ है, तब ये खबर आपको घर बैठे क्लेम करने की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देगा।

केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटाई गई। यह पोर्टल मुख्य रूप से सहारा समूह की चार प्रमुख सहकारी समितियों सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी के पात्र निवेशकों को ही रिफंड दिलाने के लिए बनाया गया है।

ऑनलाइन क्लेम दर्ज होने के बाद, सत्यापन की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू होगी। सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज निवेशकों के दावों और संलग्न दस्तावेजों की 30 दिनों के भीतर गहन स्क्रूटनी करेगी। इस प्रारंभिक जांच के बाद, अगले 15 दिनों में सरकारी तंत्र द्वारा अंतिम मंजूरी मिलेगी। इस तरह, आपके आवेदन की तारीख से कुल 45 दिनों के अंदर आपके दावे की स्थिति के बारे में आपको सूचित किया जाएगा। यदि दावा सही साबित और स्वीकृत होता है, तब धनराशि सीधे निवेशक के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। यह सुनिश्चित करता है कि पैसा सीधे सही लाभार्थी तक पहुंचे।

रिफंड फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब से बचने के लिए, सभी आवश्यक दस्तावेजों को पहले से स्कैन करके तैयार रखना जरुरी है। क्लेम के लिए निवेशक का आधार कार्ड, आधार से लिंक एक सक्रिय मोबाइल नंबर और आधार से जुड़ा बैंक खाता नंबर अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, सहारा सोसाइटी में पैसा जमा करते समय प्राप्त हुई मूल रसीद, पासबुक की प्रति या निवेश प्रमाण पत्र (जैसे बॉन्ड) आदि भी अपलोड करने पड़ सकते हैं। दस्तावेजों में दर्ज सदस्यता संख्या, अकाउंट नंबर और जमाकर्ता का नाम, उसके आधार कार्ड

से पूरी तरह मेल खाना चाहिए। यदि मूल जमाकर्ता का निधन हो चुका है, तब कानूनी उत्तराधिकारी या नॉमिनी को अपने संबंधित कानूनी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नाम या बैंक विवरण में किसी भी प्रकार की गलती या विसंगति आपके रिफंड को रोक सकती है, इसलिए पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने से पहले अपने सभी कागजात और विवरणों की अच्छी तरह जांच कर लें।

# महिला क्रिकेट टीम को खिताब जीतने पर राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी बधाई

■ श्रीलंका को रौंदकर भारत ने आठवीं बार जीता खिताब

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट और ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर एशियाई क्रिकेट में देश का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया है। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए शानदार शिकस्त दी और 72 रनों के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप की चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया है। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली जीत के बाद देश भर के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी और जश्न का माहौल है, वहीं देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि की जमकर सराहना की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में टीम की इस सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का पल है। एशिया कप जीतने पर उन्होंने महिला टीम को बधाई देते हुए कहा कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों का आत्मविश्वास, निरंतरता और मैदान पर दिखाया गया शानदार जज्बा वाकई अद्वितीय था। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि यह बड़ी जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज्यादा खेलने और अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी टीम इंडिया की इस सफलता पर देश की ओर से गर्व जताया। उन्होंने एक्स पर अपने बधाई संदेश में कहा कि महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि बेटियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक एकजुट टीम के रूप में बेहतरीन खेल दिखाया और अपने सभी मैच जीतकर देश का मान बढ़ाया है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ये खिलाड़ी हमारे युवाओं, विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बहुत बड़ा स्रोत हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि ये बेटियां भविष्य में भी सफलता की कई नई और प्रेरणादायक कहानियां रचती रहेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए उनके शानदार दबदबे की सराहना की। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि भारत ने एशियाई क्रिकेट में एक और स्वर्णिम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीतने वाली हमारी सभी चैंपियन खिलाड़ियों को दिल से बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान अपनी धमाकेदार खेल शैली और दबदबे से टीम ने न सिर्फ देशवासियों को रोमांचित किया है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

## हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले- 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार'

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ''नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूं। इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14

सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

## वलसाड में अखिल हिंद अंधजन ध्वज दिवस मनाया गया

■ दिव्यांगों के सर्वांगिण विकास और उन्हें मजबूत बनाने के लिए समाज का सहयोग जरूरी है: कलेक्टर नितिन सांगवान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 14 सितंबर। हर साल 14 सितंबर को अखिल हिंद अंधजन ध्वज दिवस मनाया जाता है। यह दिन समाज में दृष्टिबाधित लोगों के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने और उनकी शिक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता और संर्वांगिण विकास के लिए सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। इसके तहत वलसाड जिला कलेक्टर नितिन सांगवान की अध्यक्षता में अंधजन मंडल ननकवाड़ा वलसाड में आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी अतिराग चपलोत भी मौजूद थे। कलेक्टर नितिन सांगवान ने कहा कि दृष्टिबाधित लोग भी समाज का एक अहम हिस्सा हैं। अगर उन्हें सही गाइडेंस, शिक्षा, ट्रेनिंग और अच्छे मौके मिलें, तो वे अपनी काबिलियत और टैलेंट के दम पर अलग-अलग फील्ड में कामयाबी से आगे बढ़ सकते हैं। अखिल हिंद अंधजन झंडा दिवस के मौके पर उन्होंने समाज के हर वर्ग से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को मज़बूत बनाने में हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और रोजगार के समान मौके, समान अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता मिले। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी अतिराग चपलोत ने दिव्यांग बच्चों की छिपी हुई काबिलियत को बाहर लाने और उन्हें समाज से जोड़ने और सरकार की तरफ से मिलने वाले फायदों से फायदा दिलाने को कहा। संस्था की डायरेक्टर अमीबेन पटेल ने संगठन के काम और गतिविधियों के बारे में बताकर सभी को जागरूक किया। इस मौके पर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में खास कामयाबी हासिल करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को महानुभावों ने सम्मानित किया। इस मौके पर नानकवाड़ा गांव के सरपंच, भीड़भंजन मंदिर के शिवजी महाराज, दान दाताओं सहित संगठन के कर्मचारी और बच्चे उपस्थित रहे।

## विज्ञान ने बदली लद्दाख के हनले गांव की किस्मत, भारत के पहले डार्क स्काई रिजर्व ने बढ़ाया पर्यटन और रोजगार

लद्दाख (ईएमएस)। लद्दाख का हनले गांव अब सिर्फ अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए नहीं, बल्कि तारों और अंतरिक्ष की दुनिया देखने के लिए भी दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। यहां स्थापित भारत के पहले डार्क स्काई रिजर्व ने इस दूरदराज के गांव को खगोलीय पर्यटन के नए केंद्र में बदल दिया है। वर्ष 2022 में हनले के आसपास के करीब 1,073 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को डार्क स्काई रिजर्व घोषित किया गया था। हनले समुद्र तल से करीब 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां कम आबादी, बेहद कम प्रकाश प्रदूषण, शुष्क मौसम और साफ आसमान होने के कारण तारों का अवलोकन बेहद शानदार होता है। इसी वजह से भारतीय खगोलीय वेधशाला भी यहां स्थापित है, जहां अत्याधुनिक दूरबीनों के जरिए वैज्ञानिक अंतरिक्ष की गतिविधियों का अध्ययन करते हैं। डार्क स्काई रिजर्व बनने के बाद प्रशासन ने स्थानीय युवाओं को खगोलीय पर्यटन से जोड़ने की पहल की। 24 युवाओं को एस्ट्रो एंबेसडर के तौर पर प्रशिक्षित किया गया है। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। ये पर्यटकों को दूरबीन के जरिए चंद्रमा, ग्रहों, आकाशगंगाओं और तारामंडल की जानकारी देते हैं। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों को होम-स्टे और छोटे टेलीस्कोप के जरिए भी पर्यटन से जोड़ा गया है। वर्ष 2024 में करीब 28 हजार पर्यटकों के हनले पहुंचने की जानकारी सामने आई थी।

**CHANGE OF NAME**

I HITHERTO KNOWN AS SUMITRA SURJA KANTA DAS **W/O: SURJA KANTA DAS,** R/O-111/22 A SHOP NO.1 TO 4 GROUND FLOOR, PATEL FALIA,KADAIYA,NANI DAMAN,DADRA AND NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU-396210, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SUMITRA PATRA DAS.

## रेल कनेक्टिविटी से कारोबार तक, गुजरात को बड़ी सौगात

■15 सितंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे 4 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल राष्ट्र को समर्पित ■ गोपालपुर स्टेशन का उद्घाटन और अंजार में भुज-शालीमार एक्सप्रेस का ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में रेलवे के बुनियादी ढांचे, माल परिवहन सुविधाओं एवं यात्री कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 15 सितंबर 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात में विभिन्न महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं एवं यात्री सुविधाओं का लोकार्पण, शिलान्यास, उद्घाटन एवं शुभारंभ किया जाएगा।

इस अवसर पर रेल मंत्री द्वारा शिवलखा, भीमासर, देवलिया एवं चंडीसर स्थित चार गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। इसके साथ ही लिंच गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) की आधारशिला रखी जाएगी, गोपालपुर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा तथा अंजार स्टेशन पर भुजझशालीमार एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ किया जाएगा। उपर्युक्त स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में संबंधित क्षेत्र के राज्यमंत्री, सांसद (लोकसभा), सांसद (राज्यसभा), विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इन सभी परियोजनाओं एवं यात्री सुविधाओं से गुजरात में माल परिवहन, व्यापारिक गतिविधियों, लॉजिस्टिक्स सुविधाओं तथा यात्री रेल कनेक्टिविटी को और अधिक गति एवं मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

**1. गोपालपुर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन**

रेल मंत्री जी द्वारा गोपालपुर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा। स्टेशन के विकास से क्षेत्र में रेल संपर्क एवं यात्री सुविधाओं को मजबूती मिलेगी तथा आसपास के यात्रियों के लिए रेल परिवहन की पहुंच और बेहतर होगी।

नए गोपालपुर स्टेशन के निर्माण से अहमदाबाद एवं भुज की ओर से आने-जाने वाली ट्रेनों के लिए गांधीधाम में इंजन रिवर्सल की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे परिचालन समय की बचत होगी। स्टेशन का विकास क्षेत्र की परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने तथा भविष्य में बढ़ती यात्री मांग के अनुरूप रेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

2. चार गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) राष्ट्र को समर्पित

गुजरात में चार गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। ये टर्मिनल आधुनिक माल प्रबंधन एवं लॉजिस्टिक्स सुविधाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ रेल-आधारित माल परिवहन को गति प्रदान करेंगे।

भीमासर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलः

भीमासर स्थित एएफजीबी गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल का विकास आर्या फ्रेट टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। इस परियोजना में लगभग ₹75 करोड़ का कुल निवेश है, जिसमें लगभग रु. 24.21 करोड़ का रेलवे परियोजना घटक शामिल है। लगभग 52 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह टर्मिनल गांधीधामझसामख्याली सेक्शन पर स्थित है तथा कंटेनर एवं सामान्य माल की हैंडलिंग के लिए विकसित किया जा रहा है। टर्मिनल की अनुमानित क्षमता लगभग 60 आउटवर्ड एवं 60 इनवर्ड रेक प्रति माह है। इस परियोजना से लगभग 1,000 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

देवलिया गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलः

देवलिया स्थित डब्ल्यूसीजीडी गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल का विकास वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया गया है। परियोजना में लगभग रु. 65 करोड़ का कुल निवेश तथा लगभग रु. 16.28 करोड़ का रेलवे परियोजना घटक शामिल है। लगभग 41 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह टर्मिनल सामाख्याली-ध्रांगध्रा सेक्शन पर स्थित है। यहां मुख्य रूप से कंटेनर एवं सामान्य माल की हैंडलिंग की जाएगी। इस परियोजना से लगभग 1,000 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

चंडीसर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलः

चंडीसर स्थित एटीजीसी गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल का विकास एमिरेट्स टर्मिनल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। इस परियोजना में लगभग रु. 75 करोड़ का कुल निवेश है, जिसमें लगभग रु. 14 करोड़ का रेलवे परियोजना घटक शामिल है। लगभग 23 एकड़ क्षेत्र में स्थित यह टर्मिनल पालनपुरझझ सामख्याली सेक्शन पर है तथा मुख्य रूप से कंटेनर ट्रैफिक के लिए विकसित किया गया है। यहां की अनुमानित क्षमता लगभग 10 आउटवर्ड एवं 10 इनवर्ड रेक प्रति माह है। इस परियोजना से लगभग 400झ500 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

शिवलखा गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलः

शिवलखा स्थित केईजीएस गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल का विकास केएमटी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। परियोजना की प्रस्तावित कुल लागत लगभग रु. 200 करोड़ है, जबकि रेलवे परियोजना लागत लगभग रु. 12.97 करोड़ है। लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह टर्मिनल सामख्यालीझपालनपुर सेक्शन पर स्थित है। यहां रेलवे वैगन निर्माण के साथ-साथ कंटेनर ट्रैफिक की सुविधा विकसित की जाएगी। नए निर्मित रेलवे वैगनों के लगभग 2झ3 रेक प्रति माह आउटवर्ड मूवमेंट तथा लगभग 10 कंटेनर रेक प्रति माह हैंडल किए जाने की संभावना है। इस परियोजना से लगभग 2,000झ2,500 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

(५) लिंच गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल की आधारशिलाः

कार्यक्रम के दौरान लिंच में गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) की आधारशिला भी रखी जाएगी। इस टर्मिनल के विकास से क्षेत्र में माल हैंडलिंग क्षमता बढ़ेगी तथा उद्योगों एवं व्यवसायों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इन गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल परियोजनाओं के माध्यम से आधुनिक माल ढुलाई एवं लॉजिस्टिक्स सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे उद्योगों और व्यवसायों को रेल के माध्यम से माल परिवहन के अधिक प्रभावी विकल्प उपलब्ध होंगे। साथ ही, निजी क्षेत्र की भागीदारी से क्षेत्र में माल परिवहन के लिए अतिरिक्त आधारभूत संरचना विकसित होगी तथा रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिलेगा।

3. अंजार स्टेशन पर भुजझ शालीमार एक्सप्रेस का ठहराव

रेल मंत्री द्वारा ट्रेन संख्या 22829/22830 भुजझ शालीमार एक्सप्रेस के अंजार स्टेशन पर ठहराव का शुभारंभ किया जाएगा। यह ठहराव अंजार एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं लंबे समय से अपेक्षित रेल सुविधा है। इस ठहराव से यात्रियों को भुजझ शालीमार एक्सप्रेस के माध्यम से देश के प्रमुख शहरों एवं महत्वपूर्ण गंतव्यों तक सीधी एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। अंजार से ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को अन्य स्टेशनों तक जाने की आवश्यकता कम होगी, जिससे समय एवं अतिरिक्त यात्रा व्यय की बचत होगी।

(पेज 1 का शेष समाचार)

## मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को शासन, विज्ञान और साहित्य में एक-दूसरे से जोड़कर...

कोई भी बच्चा अपनी मातृभाषा सीखे बिना बड़ा व्यक्ति नहीं बन सकता, क्योंकि माँ के दुलार और भाई-बहन के प्यार को वह मातृभाषा के बिना समझ नहीं सकता। अपनी भूमि, अपनी भाषा, अपने धर्म, अपनी परंपराओं, अपनी संस्कृति और संस्कारों से उसका लगाव मातृभाषा के माध्यम से ही संभव है। इसलिए मोदी जी ने प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा को अनिवार्य किया। गृह मंत्री ने कहा कि मातृभाषा सीखने के बाद ही बच्चा आगे बढ़ सकता है। उसकी सोच की प्रक्रिया मातृभाषा में शुरू होती है। जब व्यक्ति सोचता है, विश्लेषण करता है और निर्णय करता है, तो यदि वह यह सब मातृभाषा में करता है, तो सोच बेहतर होती है, विश्लेषण बेहतर होता है और निर्णय भी बेहतर होता है। श्री शाह ने कहा कि इसके साथ-साथ मोदी जी ने एक और भारतीय भाषा सीखना भी अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा सीखने का विरोध करने वालों को पता नहीं कि वे कितना बड़ा पाप कर रहे हैं। बच्चों को भारतीय भाषाएँ सीखनी चाहिए। दूसरी भारतीय भाषा सीखने का अर्थ है कि वह बच्चा अपने आप 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य से जुड़ जाएगा। अपनी मातृभाषा सीखने के साथ वह एक अन्य भारतीय भाषा भी सीखेगा, तो वह भारतीयता से अपने आप जुड़ जाएगा और सभी संकीर्ण विचारों से मुक्त होकर भारत का सच्चा सिपाही बनेगा। उन्होंने कहा कि हम भारत की हर भाषा को समृद्ध करना चाहते हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमने 2019 में तय किया था कि अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के हर राज्य में इसे बारी-बारी से आयोजित किया जाएगा और तब से आज यह छठा सम्मेलन है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में 2019 से अब तक राजभाषा समिति के चार खंड राष्ट्रपति जी को सौंपे जा चुके हैं, पाँचवाँ खंड अब तैयार हो चुका है। अब तक कुल 13 खंड हुए हैं, जिनमें से 4 खंड मोदी जी के शासनकाल में हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जब भी विश्व के किसी बड़े मंच पर या किसी देश में गए और उन्होंने भाषण दिया, तो राजभाषा तथा भारतीय भाषाओं में ही दिया। बड़े-बड़े वैश्विक मंचों पर देश के प्रधानमंत्री को विदेशी भाषा की जगह अपनी भाषा में बोलते सुनकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा होता है। मोदी जी ने कई देशों के विश्वविद्यालयों में भी राजभाषा पढ़ाने की व्यवस्था करवाई है। भारत सरकार के पाँच लाख से अधिक कर्मचारियों का प्रशिक्षण हो चुका है। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 'कंठस्थ 2.0' को पाँच करोड़ से अधिक वाक्यों के साथ विदेशियों के लिए भी खोला है। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि लीला राजभाषा और लीला प्रवाह के बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। 51,000 शब्दों से आरंभ हुआ 'हिंदी शब्द-सिंधु' अब 8,00,000 शब्दों तक पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि 'हिंदी शब्द सिंधु' में 50 हजार से अधिक स्थानीय भाषाओं के शब्दों को जोड़ हिंदी को और लचीला बनाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2029 तक यह शब्दकोश विश्व की सभी भाषाओं में सबसे बड़ा शब्दकोश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ हिंदी में रिक्तता थी और किसी चीज़ के लिए शब्द नहीं था, वहाँ हमने स्थानीय भाषाओं के 50,000 से अधिक शब्दों को स्वीकार कर राजभाषा को लचीला बनाया है। इसमें तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, बंगाली, ओड़िया सहित अन्य भाषाएं हैं। हर भाषा से 50,000 से अधिक शब्दों को 'हिंदी शब्द-सिंधु' में स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग ने 'भारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी' का निर्माण किया है। साथ ही, 'भारतीय भाषा अनुभाग' की शुरुआत की गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय भाषाओं को हम शासन और विज्ञान की भाषा बनाना चाहते हैं, साहित्य को समृद्ध करना चाहते हैं और भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे से जोड़कर उनका बड़ा संपुट तैयार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जेईई, नीट या स्नातक प्रवेश परीक्षा हो, इन परीक्षाओं को 13 भाषाओं में आयोजित करने का कार्य भी हमने किया है। श्री अमित शाह ने कहा कि भाषाओं के बीच विवाद खड़ा करने वालों से वह कहना चाहते हैं कि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही भारत को सही समझ सकता है। यदि वह विदेशी भाषा में समझने का प्रयास करेगा, तो भारत को समझने में भूल कर बैठेगा। इसलिए हम सब राजनीतिक मतभेद छोड़कर भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से देश की जनता के लिए जो 'पंचप्रण' रखे हैं, उनमें एक प्रण गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का भी है। गृह मंत्री ने कहा कि भाषाओं के विषय में कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर से बड़ा व्यक्तित्व कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा था कि भारतीय संस्कृति और भारतीय साहित्य एक विकसित शतदल (सौ पंखुड़ियों वाले) कमल की तरह है, जिसकी प्रत्येक पंखुड़ी हमारी प्रादेशिक भाषाएँ हैं। किसी भी एक पंखुड़ी के नष्ट होने से कमल का सौंदर्य नष्ट हो जाएगा। प्रादेशिक भाषाएँ रानी बनकर अपने-अपने प्रांत में विराजमान रहें और इन सभी भाषाओं के बीच हिंदी मध्यमणि बनकर इस शतदल कमल का सौंदर्य बढ़ाती रहे।'' गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि कविवर रवींद्रनाथ टैगोर ने बहुत सोच-समझकर यह बात कही थी। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाएँ अलग-अलग स्वर अवश्य हैं, किंतु गीत एक ही है – राष्ट्रभक्ति का गीत एक है, हमारी संस्कृति का गीत एक है। भाषाएँ अनेक रहें, इसमें कोई आपत्ति नहीं। भावना भारतीय रहनी चाहिए। बोलियाँ अनेक रहें, पर भारत की आवाज़ एक रहनी चाहिए।

# शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस

ललित गर्ग

**अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच।**

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्लमानवाधिकारों को केंद्र में लाएंह्व को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत

प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ह्लमेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता हैह्व गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्ललोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका हैह्व यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरूआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

## संपादकीय

# मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है?

गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फरार्टेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं।

## चिंतन-मनन

# जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

# महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

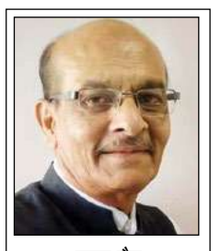

सनत जैन

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमार्ना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

# बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

कांतिलाल मांडोत

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है।

महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए।

बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं।

कामकाजी महिलाओं के सम्मान समारोह का संदेश भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। महिला जब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भाग लेती है तो वह केवल अपनी आय नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक क्षमता को मजबूत करती है। ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार शुरू करे, खेत और पशुपालन से आय बढ़ाए, छोटे व्यवसाय का संचालन करे या शहर में नौकरी करे, प्रत्येक स्थिति में सुरक्षित वातावरण उसकी सफलता की अनिवार्य शर्त है। महिला को अवसर देना और अवसर तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ का प्रसंग भी महिला और बेटी के प्रश्न को एक दूसरे आयाम से जोड़ता है। पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा को अलग-अलग विषय समझना उचित नहीं है। कुपोषण से जूझती किशोरी, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गर्भवती महिला या आर्थिक कठिनाइयों से परेशान परिवार की बेटी के सपनों की राह स्वाभाविक रूप से कठिन हो जाती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की नीति में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को एक साथ देखना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अग्रणी राज्यों में पहुंचाने की चर्चा के बीच महिला भागीदारी को भी केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त भी है।

मुख्यमंत्री का यह संदेश कि अपराधियों को कठोर परिणाम भुगतना होगा, समाज के लिए तभी प्रभावी बनेगा जब इसके साथ महिलाओं में विश्वास भी लगातार मजबूत किया जाए। कानून का भय अपराधी के लिए और व्यवस्था पर भरोसा पीड़िता के लिए, दोनों समान रूप से जरूरी हैं। बेटियों को यह महसूस होना चाहिए कि शिकायत करने पर उनकी आवाज सुनी जाएगी और महिलाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थान उनका भी उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य नागरिक का।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब किसी पिता को बेटी को स्कूल भेजते समय भय न हो, किसी मां को काम से लौटती बेटी की चिंता न सताए और किसी युवती को अपने करियर का चुनाव सुरक्षा के सवाल से समझौता कर-के न करना पड़े। सरकार की योजनाओं का अंतिम उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि सुरक्षा कागज पर दर्ज व्यवस्था न रहकर आम महिला के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बने। महिलाओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी में दिया गया संदेश इसी व्यापक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। अपराधी के लिए कठोरता और महिला के लिए सम्मान, दोनों साथ चलें तो कानून व्यवस्था का अर्थ सार्थक होता है। बेटियों के सपनों पर पहरा नहीं, उन्हें उड़ान देने वाला वातावरण चाहिए। जब प्रदेश की बेटियां बिना भय के पढ़ेंगी, काम करेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास हासिल करेंगी, तभी विकास की तस्वीर पूरी होगी। महिला सुरक्षा इसलिए केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में बाढ़ से तबाही, मृतकों की संख्या 1386 हुई

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,386 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन के बाद आई बाढ़ ने उत्तर और मध्य नेपाल के कई शहरों और गांवों को तबाह कर दिया। आठ प्रभावित जिलों में शव बरामद किए गए हैं। रसुवा में 185, नुवाकोट में 199, धादिंग में 70, गोरखा में 77 और तनाहुन में 38 शव मिले हैं। चितवन में सबसे ज्यादा 364, नवलपरासी पूर्व में 229 और नवलपरासी पश्चिम में 222 शव बरामद हुए हैं। काठमांडू में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हुई। बरामद शवों में अब तक सिर्फ 104 की पहचान हो सकी है। करीब 5,130 लोग अभी लापता हैं और 13,728 लोगों को बचाया जा चुका है। 19 अस्पतालों में 339 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि 37 राहत केंद्रों में 3,761 लोग रह रहे हैं।

### न्यूयॉर्क में ट्रंप का बचपन का घर 20 लाख डॉलर में बिका

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बचपन का घर बिक गया है। न्यूयार्क शहर में मौजूद यह घर 20 लाख डॉलर में बिका। खरीदार का नाम नहीं बताया गया है। ट्रंप चार साल की उम्र तक ट्यूडर शैली में बने इस क्वींस एस्टेट में रहे। उनके पिता फ्रेड ट्रंप ने 1940 में जमैका एस्टेट्स के पाश इलाके में यह घर बनवाया था। कई सालों से यह घर परिवार के पास नहीं है। यह घर कई बार बिक चुका है। विक्रेता टामी लिन ने पांच बेडरूम और तीन बाथरूम वाला घर पिछले साल 835,000 डॉलर में खरीदा था। यह घर कई सालों से खाली और उपेक्षित था। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, घर की हालत खराब हो गई थी। पाइप फटने से पानी और फफूंद लग गया। बिल्लियों के झुंड ने उस जगह डेरा जमा लिया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक डेवलपर लिन ने इंटीरियर को पूरी तरह से बदलने के लिए आठ महीने में पांच लाख डॉलर और खर्च किए।

### पाकिस्तान में छह महीने में बाल शोषण के 1900 से अधिक मामले दर्ज, पंजाब प्रांत में मिले 80 फीसदी केस

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में इस साल छह महीने में बच्चों के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार के 1,914 मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा कि ये मामले जनवरी से जून 2026 के बीच दर्ज किए गए हैं। इन मामलों की व्यापकता बेहद चिंताजनक है। बच्चों पर अत्याचार करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'हम उन बच्चों की बात कर रहे हैं जिन्हें उनके परिवारों, समुदायों और राज्य द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए, लेकिन वे हिंसा और दुर्व्यवहार का शिकार बन रहे हैं। इसे अलग-थलग घटनाओं की शृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।' रहमान ने कहा कि रिपोर्ट किए गए मामलों में से 80 प्रतिशत पंजाब प्रांत से थे, जिससे मौजूदा बाल संरक्षण तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा, 'इन आंकड़ों से यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है कि क्या बच्चे सुरक्षित रूप से दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, क्या संरक्षण संस्थान पर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं।

### कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

**किंशासा, एजेंसी।** डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।'प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

# पांच किमी लंबी मेज, 20 हजार लोग और गिनीज रिकॉर्ड: बच्चों के अस्पताल के लिए जुटाया पैसा

**बुखारेस्ट, एजेंसी।** रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शनिवार को एक अनोखा आयोजन हुआ। यहां करीब 20 हजार लोग एक साथ एक मीलों लंबी मेज के आसपास बैठे। मकसद सिर्फ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक बड़े अस्पताल के लिए पैसा जुटाना भी था। आयोजन का नाम 'यूनाइटिंग टेबल' रखा गया था। यह 5,055 मीटर लंबी थी और यूनिरी बुलेवार्ड से लेकर संविधान चौक तक फैली हुई थी। इसके सामने रोमानिया की कम्युनिस्ट दौर की विशाल संसद भवन की इमारत मौजूद थी। आयोजन में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए और कई मेजों को फूलों और खाने-पीने की चीजों से सजाया गया था। लोगों ने एक साझा उद्देश्य के लिए इस पूरे आयोजन में हिस्सा लिया।

'यूनाइटिंग टेबल' की कुल लंबाई 5,055 मीटर थी और इसे पुनर्चक्रित सामग्री से तैयार किया गया था। इसी वजह से इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

**कौन सा गिनीज रिकॉर्ड बना :** इस आयोजन के बाद रोमानिया स्थित 'ब्लूम द वर्ल्ड एसोसिएशन' को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र दिया गया। रिकॉर्ड पुनर्चक्रित सामग्री से बनाई गई सबसे लंबी मेज का है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वरिष्ठ निर्णायक और आधिकारिक ऑन-स्क्रीन जज जोआन ब्रेंट भी बुखारेस्ट के कार्यक्रम में शामिल

हुईं। उन्होंने मंच से कहा कि इस रिकॉर्ड को सिर्फ उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसका इस्तेमाल एक वास्तविक सामाजिक उद्देश्य के लिए किया गया।

**इस आयोजन से जुटाया पैसा कहां जाएगा :** आयोजन से जुटाई गई रकम बुखारेस्ट के ओब्रेगिया अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बनने वाली नई मनोरोग चिकित्सा सुविधा के निर्माण में लगाई जाएगी। मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के मुताबिक यह सुविधा 3,900 वर्ग मीटर में बनेगी। परियोजना पर करीब 1.65 करोड़ यूरो खर्च होने का अनुमान है। इसका निर्माण निजी दान और प्रायोजकों की मदद से किया जा रहा है। फाउंडेशन का कहना है कि मौजूदा बाल मनोरोग विभाग पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह में चल रहा है, जो बच्चों और उनके परिवारों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नई इमारत में पांच मंजिलें होंगी। यहां चिकित्सा कक्षों के साथ व्यावसायिक चिकित्सा और आभासी वास्तविकता वाले कमरे भी बनाए जाएंगे। अस्पताल में संवेदी और शैक्षणिक स्थान, अलग विश्राम क्षेत्र और किशोरों में नशे की लत के इलाज के लिए एक विशेष विभाग भी होगा।

**बच्चों के लिए नए अस्पताल की जरूरत क्यों पड़ी :** मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के अनुसार रोमानिया में गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनमें अवसाद, व्यवहार संबंधी विकार, नशीले पदार्थों का इस्तेमाल, ऑटिज्म और एडीएचडी जैसी समस्याएं शामिल हैं। फाउंडेशन के मुताबिक गंभीर मानसिक विकारों से जुड़े बच्चों के मामले 2018 में 3,839 से बढ़कर 2024 में 5,600 से ज्यादा हो गए। मौजूदा बाल मनोरोग क्लिनिक में 62 बिस्तर हैं। फाउंडेशन का कहना है कि कई वार्डों में बड़ी संख्या में बिस्तर हैं, लेकिन उनके साथ अलग बाथरूम नहीं हैं। जगह की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों के साथ निजी बातचीत करना भी मुश्किल हो जाता है। नए अस्पताल से हर साल गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे 5,700 से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था की जगह बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा माहौल तैयार करना है। क्या पहले भी ऐसा रिकॉर्ड बना चुका है रोमानिया इससे पहले सबसे लंबी पुनर्चक्रित सामग्री वाली मेज का गिनीज रिकॉर्ड भी 'ब्लूम द वर्ल्ड' के पास ही था। यह रिकॉर्ड रोमानिया के मध्य हिस्से में स्थित अल्बा इउलिया शहर में बनाया गया था। उस समय मेज की लंबाई 2,782 मीटर थी और यह रिकॉर्ड पिछले साल इसी तारीख को दर्ज किया गया था।

नए आयोजन में बुखारेस्ट की मेज ने पुराने रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया। संगठन की प्रतिनिधि एलेक्सा विल्कान ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को बच्चों के पहले मनोरोग अस्पताल के लिए दान करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। रोमानिया की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने क्या चुनौती है रोमानिया में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट भी एक बड़ी चुनौती है। यूरोपीय संघ के सांख्यिकी कार्यालय यूरोस्टैट के अनुसार 2023 में रोमानिया का स्वास्थ्य बजट सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के मुकाबले 5.7 प्रतिशत था। यह यूरोपीय संघ के करीब 10 प्रतिशत के औसत से काफी कम था। इसी बीच रोमानिया के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जांद्रु रोगोबेते ने इस परियोजना को समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने अस्पताल के लिए जरूरी उपकरण और फर्नीचर उपलब्ध कराने की बात कही है।

## अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या: आरोपी ने महीनों पीछा कर बरसाईं गोलियां; फिर खुद को भी गोली मार ली

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आठ सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में रेस्तरां के बाहर हुई। आरोप है कि भारत का 22 वर्षीय रोहित कई महीनों से शालिनी का पीछा कर रहा था और उन्हें परेशान कर रहा था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, वारदात वाले दिन रोहित शालिनी की कार के पास पहुंचा। शालिनी ने उससे बचने के लिए भागने की कोशिश की तो रोहित ने उनका पीछा किया और बंदूक निकालकर उन पर कई गोलियां चला दीं। आरोपी ने शालिनी का पीछा किया: शालिनी ने जब रोहित से बचकर भागने की कोशिश की, तो उसने उनका पीछा किया और गोली चला दी। जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं रुका: शालिनी के गिरने के बाद रोहित ने बेहद करीब से उनके सिर में भी गोली मारी, इसके बाद वह वहां से भाग गया।

**वारदात के बाद आरोपी के साथ क्या हुआ :** गोलीबारी के बाद रोहित अपनी कार से वहां से फरार हो गया। अधिकारियों ने उसकी कार के चालक को बाहर आने के लिए कहा। इसके बाद पता चला कि रोहित ने खुद को गोली मार ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। सैक्रामेंटो काउंटी कोरोनर कार्यालय के हवाले से फॉक्स40 डॉट कॉम ने यह जानकारी दी। यानी जिस व्यक्ति पर शालिनी की हत्या का आरोप है, उसकी मौत भी इसी घटना के बाद हो गई। अमेरिकी गृह

सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रोहित भारत का रहने वाला था और 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका आया था।

**रोहित का अमेरिका में रहने का क्या स्टेटस था :** अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, शुक्रवार तक उसकी आव्रजन स्थिति से जुड़ी सटीक जानकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी थी।

जांच में पता चला कि रोहित कम से कम जनवरी से शालिनी को परेशान कर रहा था और उनका पीछा कर रहा था। शालिनी को अपनी कार के बोनट के नीचे एक एप्पल एयरटैग मिला था। इसके बाद रोहित के उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की बात सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने शालिनी की कार के टायरों की हवा भी निकाल दी थी और उनका पीछा करते हुए काम की जगह तक पहुंच जाता था। वहां वह शालिनी को मदद की पेशकश करता था।

## फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव, मृतकों की संख्या 76 हुई

**मनीला, एजेंसी।** फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है। तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कयाबयाब ने बताया कि जीवित बचे लोगों के अनुसार आग बहुत तेजी से फैली और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने तक का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'बारिश से जहाज के खुले हिस्सों को ढकने वाली तिरपाल एक संभावित कारण हो सकती है, लेकिन अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग इसके अंदर फंस गए थे या नहीं।' जांचकर्ता यह भी देखेंगे कि आग लगने की स्थिति में तय आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं। इसमें यह भी जांच होगी।

## यूक्रेन के कई शहरों में रूसी हवाई हमलों का तांडव, 90 मिनट में दागे 500 ड्रोन, नौ लोगों की मौत, कई घायल

**कीव, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन हमलों में रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेनी ठिकानों पर लगभग 500 ड्रोन दागे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस युद्ध के मोर्चे से ध्यान हटाकर अर्थव्यवस्था पर हमले कर रहा है। जिससे युद्धकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता करने वाले हर ठिकाने को बर्बाद किया जा सके।

**रूसी सेना ने आम लोगों को**

**बनाया निशाना :** यूक्रेन के प्रमुख फ्रंटलाइन शहर क्रामाटोर्स्क की नगर परिषद ने रूसी हमलों की आलोचना करते हुए बताया कि, रूस अब यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर हमले करने के साथ-साथ आम नागरिकों को भी निशाना बना रहा है। शनिवार को 90 मिनट के अंदर हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। परिषद ने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुए हमलों में कोई भी सैन्य ठिकाने नहीं थे, बल्कि आम नागरिक जो अपनी निजी कारों में अपने सामान्य कामकाज के लिए निकले थे उन्हें निशाना बनाया गया।

**किराने की दुकान पर ड्रोन हमला :** यूक्रेन के कई शहरों में रूस की ओर से किए गए हमलों में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। झितोमिर क्षेत्र के गवर्नर विटाली बुनेचको के अनुसार, ज्वियाहेल शहर में एक किराना स्टोर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। हमले में दो पेट्रोल पंप और विदेशी निवेश वाली एक कंपनी भी प्रभावित हुई है।

**जापोरिज्जिया और क्रिवी रिह में भी हमले :** जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि क्षेत्र में हुए हमलों में दो लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में रातभर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए। सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र के मुताबिक, इन हमलों में दो लोगों की जान चली गई। वहीं, काला सागर के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा में भी हमले जारी रहे। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह कीपर ने बताया कि रात से शनिवार शाम तक हुए हमलों में करीब 40 लोग घायल हुए हैं। डोनेट्स्क में यूक्रेनी ड्रोन हमलों का दावा इस बीच, रूस के नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत होने की बात सामने आई है।

## सऊदी अरब ने कई हमलों के बाद ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद की, कई लोग घायल

**रियाद, एजेंसी।** सऊदी अरब ने गुरुवार को कई हमलों के बाद एहतियात के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को बंद करने का ऐलान किया है. सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने बयान में कहा कि हमलों में देश के सेंट्रल रियाद इलाके और वेस्टर्न मदीना इलाके में पाइपलाइन को टारगेट किया गया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं.

ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रियाद और मदीना इलाकों में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर गुरुवार, 10 सितंबर 2026 की सुबह कई हमले किए गए. ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई रिलीज में कहा गया कि एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया गया था. हमलों में कई लोग घायल हुए, और जिन लोगों पर असर हुआ, उन्हें

मेडिकल केयर दी गई. सोर्स ने कहा कि हमलों के तुरंत बाद इमरजेंसी और स्पेशलाइज़्ड टेक्निकल टीमों ने जवाब दिया, और पाइपलाइन को सुरक्षित करने और मंजूर सेफ्टी प्रक्रिया और इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान के हिसाब से, संबंधित अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में इसकी सेफ्टी का पता लगाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए. पोस्ट में आगे लिखा गया कि कोई भी डेवलपमेंट सही समय पर बताया जाएगा. सऊदी अरब ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन में भारी इन्वेस्ट किया है, जो उसके पूर्वी फील्ड्स से कच्चा तेल रेड सी पोर्ट यानबू तक ले जाती है, और होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करती है. इस बीच, सऊदी फॉरेन मिनिस्ट्री ने शुक्रवार को कहा कि इराक से उसकी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन अटैक किया गया, जिससे चोटें आईं और नुकसान हुआ. एक बयान में, मिनिस्ट्री ने अटैक की निंदा की और कहा कि इराकी प्राइम मिनिस्टर के कहने पर, किंगडम ने इस स्टेज पर जवाब देने से मना कर दिया था.

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का मकसद इराकी सरकार को सऊदी अरब के खिलाफ इराकी इलाके से होने वाले हमलों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का मौका देना था. उसने यह भी कहा कि देश अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सुविधाओं और नागरिकों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है. इराकी सेना ने बयान में कहा कि हम सऊदी अरब के जवाबी कार्रवाई न करने के फैसले का स्वागत करते हैं. इसके साथ-साथ सऊदी सिक्योरिटी को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी हमले की निंदा भी करते हैं, और कहा कि उसने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जांच का आदेश दिया है.

## बांग्लादेश में हिंदू पत्रकार की संदिग्ध मौत: दफ्तर में फंदे से लटका मिला शव

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक अखबार 'समकाल' के न्यूजरूम में एक वरिष्ठ हिंदू पत्रकार का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बरिसल जिले में स्थित अखबार के ब्यूरो कार्यालय में हुई इस घटना ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बरिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव दफ्तर के अंदर फंदे से लटकता पाया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वहीं, बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' अखबार से हटा दिया गया था। वह बरिसल प्रेस क्लब के महासचिव पद पर भी रह चुके थे और इससे पहले उन्होंने कई वर्षों तक एक अन्य अखबार 'जुगांतर' के साथ काम किया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चटर्जी की मौत की परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। पार्टी का दावा है कि शव की जो तस्वीर लीक हुई है, उससे साफ पता चलता है कि यह स्वाभाविक मौत या सामान्य आत्महत्या नहीं है। पार्टी ने कहा कि तस्वीर में उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति इस तरह फंदे पर लटककर नहीं मर सकता। यह साफ तौर पर एक पूर्वनियोजित साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने और क्यों अंजाम दिया।

अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन के 2001 से 2006 के पांच साल के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में अल्पसंख्यकों पर जो बर्बरता हुई थी, वही हालात 2026 में फिर से देखने को मिल रहे हैं। पार्टी ने कहा कि मंदिरों पर हमले करना, घरों में आग लगाना, जमीनों पर कब्जा करना, महिलाओं के खिलाफ भयानक यौन हिंसा और अनगिनत हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर करना यह सारा मंजर आज 2026 में फिर आंखों के सामने लौट आया है। पुलक चटर्जी उस दौर में भी पत्रकारिता कर रहे थे। उन्होंने इन अत्याचारों को देखा, उनके बारे में लिखा और वे उन घटनाओं के प्रमुख गवाह थे। पार्टी के अनुसार, उन्हें खामोश करने का मतलब इतिहास की आवाज को ही दबाने की कोशिश करना है। अवामी लीग ने बीएनपी और जमात पर 2001-06 की घटनाओं को 2026 में दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों का दमन, पत्रकारों का उत्पीड़न और असहमति की आवाज को कुचलना उनकी राजनीति के मुख्य आधार रहे हैं। पार्टी ने कहा कि पुलक चटर्जी एक अल्पसंख्यक थे, पत्रकार थे और 'समकाल' के ब्यूरो प्रमुख थे। यानी वे इन तीनों का प्रतिनिधित्व करते थे और उनकी हत्या करके इन तीनों आवाजों को एक साथ खत्म करने की कोशिश की गई है। पार्टी ने कहा कि चटर्जी उस दौर के प्रत्यक्षदर्शी थे जब बीएनपी-जमात गठबंधन ने कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के खून से बांग्लादेश की जमीन को लाल किया था।

# 22 साल से फ्रीज था भ्रूण: ग्रीस में 54 साल की महिला फिर से बनी मां

**एथेंस , एजेंसी।** अपने सबसे कठिन दौर से उबरते हुए, एक ग्रीक दंपति ने इस सप्ताह जन्मे बच्चे के साथ एक नई शुरुआत की। ऐसा करने के लिए उन्हें क्रिस्टीना रापी-त्जेलेपी के दशकों पुराने भ्रूणों में से एक का उपयोग करना पड़ा। इसके साथ ही सरकारी समय सीमा से पहले ही बच्चे को जन्म देना पड़ा।

**क्या है मामला :** अक्तूबर में एक सड़क दुर्घटना में अपने 21 वर्षीय बेटे की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद, अब 54 वर्षीय रापी-त्जेलेपी और उनके पति ने 22 वर्षों से जमे हुए भ्रूण का उपयोग करके एक और प्रयास करने का निर्णय लिया। राप्टी-त्जेलेपी को महिलाओं के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय अथॉरिटी से मंजूरी पाने की ग्रीक सरकार की 54 साल की उम्र सीमा का सामना करना पड़ रहा था। जब उन्होंने शुरुआत की, तो समय पहले ही कम पड़ रहा था।

**त्जेलेपी ने क्या कहा :** उन्होंने कहा, 'मेरे पास सिर्फ ढाई महीने का समय था। यह तनावपूर्ण था, लेकिन अंदरूनी हिम्मत और हमारे डॉक्टर व उनकी पूरी टीम के साथ होने की वजह से हमने हर मुश्किल का सामना किया। उन्होंने बुधवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका वजन 3.49 किलोग्राम था। शुक्रवार को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजे अस्पताल के कमरे में नए माता-पिता भावुक हो गए।

**'हमने जिंदगी को एक और मौका दिया' :** काले पजामे में बिस्तर पर बैठीं राप्टी-त्जेलेपी ने कहा, 'हमने जिंदगी को एक और मौका देने, नई शुरुआत करने, अपने घर में नई जिंदगी लाने और अपने परिवार की कहानी को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मेरी इच्छा है कि वह स्वस्थ और खुश रहे, हमारे पहले बच्चे की तरह खुशियों से भरी रहे, जिसने हमारे घर को हंसी-खुशी से भर दिया था।'

**यह केस क्यों खास :** यह बच्चा महिला के उस भ्रूण से पैदा हुआ था जिसे 22 साल से भी ज्यादा समय पहले फ्रीज

किया गया था। प्रेग्नेंसी के लिए फ्रीज किए गए फर्टिलाइज्ड अंडे का इस्तेमाल करने के मामले में यह बहुत लंबा समय है। पिछले साल, ओहियो के एक जोड़े ने 'एम्ब्रियो अडॉप्शन' (भ्रूण गोद लेने) की प्रक्रिया के जरिए 30 साल से ज्यादा समय तक फ्रीज किए गए भ्रूण से पैदा हुए एक बच्चे का स्वागत किया था और उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से पहचान मिली थी।

**स्त्री रोग विशेषज्ञ ने क्या कहा :** राप्टी-त्जेलेपी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और हेलेनिक सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के प्रमुख डॉ. कोस्टास पैंटोस ने तर्क दिया कि ग्रीस में उम्र की पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि देश में जन्म दर तेजी से गिर रही है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के रहने वाले पैंटोस ने कहा, 'कानून बहुत सख्त है। 54 साल और एक दिन की उम्र भी मंजूर नहीं है। शायद अब इसे बदलने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा अधिकार है जिससे माता-पिता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए।'

**बच्ची के पिता ने क्या कहा :** बच्ची के 60 वर्षीय पिता, कॉन्स्टेंटिनोस राप्टिस ने अपनी नई बेटी को गोद में लिया, जो सफेद बॉडीसूट पहने उनके कंधे पर सो रही थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार में उम्मीद जगाने के लिए डॉक्टर के बहुत आभारी हैं। रैप्टिस ने कहा, 'उन्होंने हमारा हाथ पकड़ा और हमें घोर अंधेरे से बाहर निकाला। हम उस अंधेरे से बाहर निकल आए हैं। मेरा मानना है कि अब हमारे पास जीने के लिए बहुत कुछ है। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम जॉर्जिया रखा, जो उनके दिवंगत बेटे जियोर्गोस की याद में था। जियोर्गोस का जन्म भी आईवीएफ से हुआ था। उन्होंने एक और बच्चे के लिए कोशिश करने की संभावना को भी खारिज नहीं किया है। हो सकता है कि इसके लिए वे विदेश जाएं।

# बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

## भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

**नई दिल्ली।** भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

### अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

# रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

**नई दिल्ली।** भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

# इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

**मियामी।** मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

# 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

## लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

**लेह।** लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

# रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

### महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

**दुबई।** भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

### वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए 16 सितंबर को हो सकता है चयन पांड्या की हो सकती है वापसी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 16 सितंबर को भारतीय टीम का चयन कर सकती है। यह अहम चयन बैठक नई दिल्ली में होगी। इसमें सभी की नजरें अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की संभावित वापसी और नियमित उप-कप्तान श्रेयस अय्यर पर रहेंगी। भारत और वेस्टइंडीइज सीरीज की शुरुआत 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगी। वहीं दूसरा एकदिवसीय मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा मैच 3 अक्टूबर को मुल्लांपुर में खेला जाएगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस चयन बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक अगरकर के कार्यकाल की अंतिम चयन बैठक भी हो सकती है, क्योंकि उनका अनुबंध अगले माह 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। उनका अनुबंध एक साल के लिए बढ़ सकता है हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक इस संबंध में कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। सीरीज में सबसे बड़ा सवाल पांड्या की वापसी को लेकर है। गौरतब है कि पांड्या ने आईपीएल 2023 के बाद से ही कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। तभी से वह फिटनेस को लेकर संघर्ष करते आये हैं। गए थे। तब से वह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं, जिससे चयनकर्ताओं के लिए एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर का चयन करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि हार्दिक को इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है जिससे अंदाजा हो रहा है कि वह फिट होने की ओर है।

### विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

# मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

**दुबई।** विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

### 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

**दुबई।** भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

### एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

**नई दिल्ली।** महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

# 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

## बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

### सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

# अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

### भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

**नई दिल्ली।** भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

# 'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में भरोसा बनाने में बहुत मदद की

**'मिर्जापुर' की डिंपी यानी हर्षिता गौर लंबे समय से दर्शकों के बीच पहचान बना चुकी हैं। 'साड्डा हक' के बाद उन्हें करीब एक साल तक काम नहीं मिला। इस दौर में उन्हें खुद भी पता नहीं था कि वह डिप्रेशन से गुजर रही हैं। एक्टिंग वर्कशॉप ने उन्हें इससे बाहर निकलने में मदद की। 'मिर्जापुर' ने उनके करियर को नई पहचान दी और अब वह फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। बातचीत में हर्षिता ने करियर के उतार-चढ़ाव का किस्सा साझा किया।**

**'साड्डा हक' के बाद आपके करियर में सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?**

'साड्डा हक' खत्म होने के बाद करीब एक साल तक मेरे पास काम नहीं था। शो तीन साल चला था और मुझे लगा था कि अब फिल्मों में काम करूंगी। लेकिन काम मिलना आसान नहीं था। शुरुआत के एक-दो महीने घूमने-फिरने में निकल गए। उसके बाद मुंबई में बिना काम के रहना एक एक्टर के लिए काफी मुश्किल होता है। उस समय मैं डिप्रेशन में चली गई थी।

**उस समय आपको पता था कि आप डिप्रेशन में जा रही हैं?**

नहीं, उस समय मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था। बाद में डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में पता चला तो पीछे मुड़कर समझ आया कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा था। मैं मुंबई वाले घर में ही रहती थी। एक दिन पड़ोस वाली आंटी आईं और उन्होंने कहा कि काफी दिनों से दिखाई नहीं दीं। तब भी मैं किसी को ठीक से नहीं बता पा रही थी कि मेरे साथ क्या हो रहा है।

**फिर इस दौर से बाहर कैसे निकलीं?**

मैंने अतुल मंगिया के सजेस्ट करने पर एक एक्टिंग वर्कशॉप की। मैं आज भी उन्हें अपना गुरु मानती हूं। उन्होंने मुझे एक एक्टर के तौर पर बेहतर किया और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे बचाया भी। वह अनुभव मेरे लिए थेरेप्यूटिक रहा। उसके बाद समझ आया कि ऐसा महसूस होने पर थेरेपिस्ट से भी बात की जा सकती है। उस समय मुझे मेंटल हेल्थ या डिप्रेशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

**'मिर्जापुर' आपके करियर में कब आया?**

'मिर्जापुर' मैंने अक्टूबर 2017 से करना शुरू किया था। उससे पहले मेरी एक्टिंग वर्कशॉप हो चुकी थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ साबित हुआ। शो ने मुझे लोगों तक पहुंचाया और डिंपी के किरदार से मुझे अलग पहचान मिली।

**'मिर्जापुर' की वजह से आपको आगे कितना फायदा मिला?**

बहुत फायदा हुआ। 'जहानाबाद' का काम भी कहीं न कहीं 'मिर्जापुर' की वजह से मिला। साउथ की फिल्म 'फलकनुमा दास' भी मिली। जब लोग आपको किसी काम में देख चुके होते हैं तो उनका भरोसा बढ़ जाता है। 'मिर्जापुर' ने मेरे करियर में यह भरोसा बनाने में बहुत मदद की।

**साउथ की फिल्म के बाद वहां आगे काम क्यों नहीं कर पाईं?**

'फलकनुमा दास' 2019 में रिलीज हुई थी। उसके बाद मैं वहां और काम करना चाहती थी, लेकिन लगातार दो लॉकडाउन आ गए। मैं वापस वहां जा ही नहीं पाई। वरना मेरी साउथ में और काम करने की इच्छा थी।

**इस जर्नी में आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या रही?**

खुद को पहचानना। मेरे लिए पर्सनल ग्रोथ सबसे बड़ी सफलता है। इस फील्ड में रहते हुए समझ आया कि मैं कौन हूं, मेरी स्ट्रेंथ, कमजोरियां और पैटर्न क्या हैं और मैं अपने काम में क्या लेकर आती हूं।

**इतने सालों में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?**

अपनी उम्मीदों और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना। हम ए से शुरू करते हैं और जेड तक पहुंचना चाहते हैं। बी, सी या डी तक पहुंचने पर लगता है कि अभी जेड तक नहीं पहुंचे। हम भूल जाते हैं कि शुरुआत ए से की थी। अपनी प्रगति को पहचानना और उसकी अहमियत समझना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही।

## मेल वर्सेस फीमेलः दोहरे मापदंडों का शिकार होती हैं फिल्में

तापसी ने साफ कहा कि बॉलीवुड में पुरुष केंद्रित और महिला केंद्रित फिल्मों के आकलन के मापदंड पूरी तरह अलग हैं। तापसी के अनुसार, अगर किसी बड़ी महिला प्रधान फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब रहता है, तो उसका नुकसान केवल उस फिल्म के मेकर्स को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री की बाकी सभी अभिनेत्रियों और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को उठाना पड़ता है। क इंटरव्यू में जब तापसी से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' के प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने माना कि ऐसी फिल्मों के न चलने का असर अन्य अभिनेत्रियों पर भी पड़ता है। पसी ने बताया, यह हर साल की कहानी बन चुकी है। जैसे ही किसी बड़े बजट या बड़े सुपरस्टार की महिला केंद्रित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती, इन्वेस्टर्स की भाषा तुरंत बदल जाती है। वे कहने लगते हैं कि 'आजकल महिला प्रधान फिल्में नहीं चल रही हैं, जब इतनी बड़ी स्टार की फिल्म पिट गई तो बाकी का क्या होगा?' इसके बाद कई चलती हुई बातचीत रुक जाती है और बनने वाली फिल्में ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।

तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि मेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों और फीमेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों को तोपने का तरीका बहुत असमान है। बड़ी स्टार-कास्ट वाली पुरुष प्रधान फिल्मों को अक्सर कमजोर कहानी के बावजूद सिर्फ एक्शन और ग्लैमर के दम पर स्वीकार कर लिया जाता है। तापसी ने कहा, अगर किसी मेल-ड्रिवन फिल्म की कहानी 10 में से 5 या 6 भी हो, तो भी वह चल जाती है। लेकिन जब महिला प्रधान फिल्म पर पैसा लगाया जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि कहानी 10 में से 11 होनी चाहिए। हमारे लिए गलती करने की गुंजाइश बिल्कुल माइनस में होती है।

### नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है 'गांधारी'

देवाशीष मखीजा के निर्देशन और कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'गांधारी' में तापसी पन्नू के साथ इशवाक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और दर्शकों द्वारा तापसी के एक्शन अवतार को सराहा जा रहा है।

## 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है नानी की 'द पैराडाइज'

इंडस्ट्री के सूत्रों की मानें तो, डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की बेसब्री से इंतजार की जा रही एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'द पैराडाइज', जिसमें तेलुगु स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं, की शूटिंग अब पूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि फिल्म की यूनिट ने प्रोडक्शन का हिस्सा पूरा कर लिया है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी जोरों पर है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का प्रीमियर इस साल 23 सितंबर को होना है। इस बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म से नानी की एक नई तस्वीर जारी करके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया। फिल्म न केवल अभिनेता की आकर्षक उपस्थिति के लिए, बल्कि इस तथ्य के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही है कि यह तस्वीर निर्देशक श्रीकांत ओडेला के मोबाइल का स्क्रीनशॉट थी। 'द पैराडाइज' 26 मार्च, 2026 को एक भव्य रिलीज के लिए निर्धारित थी। हालांकि, इसके निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को पहले 21 अगस्त और फिर 24 सितंबर तक स्थगित करने का फैसला किया।



# करीना कपूर ने बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया 'भेड़ चाल' जैसा!

**बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया।**

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, 'हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।'

### बोलीं- 'चीजें बदल रही हैं

अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, 'एक 'एनिमल' फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच 'भेड़ चाल' जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेलर देखकर ही तय कर लेते हैं कि उनको कौन सी फिल्म देखनी है।'

### कब रिलीज होगी फिल्म 'दायरा'

करीना की अगली फिल्म 'दायरा' है। इसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। यह क्राइम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

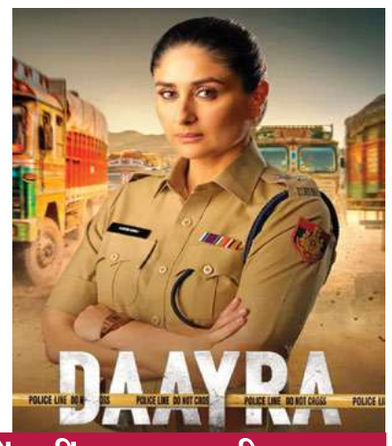


### हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेंगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।'

## स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं महिलाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। प्रीति ने कहा, अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ' 'काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।

## यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का

अभिनेत्री यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' के मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया। यह फिल्म डर के साथ-साथ कॉमेडी, फैंटेसी और पारिवारिक भावनाओं का एक अनोखा मिश्रण होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'देवियों और सज्जनों, मोहिनी की तरफ से एक लिटिल रिक्वेस्ट। फिल्म 'नई नवेली' का टीजर रिलीज।' 1 मिनट 31 सेकंड के टीजर में एक आम घरेलू माहौल के बीच अजीब और हास्यप्रद स्थितियां देखने को मिलती हैं। टीजर की शुरुआत एक सामान्य परिवार से होती है, जहां घर में आई नई नवेली दुल्हन (यामी गौतम) सबका दिल जीतती है तभी देवर को शक होता है और वह गंभीर आरोप लगाता है कि भाभी डायन है।

इसके बाद टीजर जैसे आगे बढ़ता है अभिनेत्री यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है, जिसमें वे कहती हैं, 'दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत को मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं।' बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म 'नई नवेली' को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा (कलर येलो प्रोडक्शन और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज) मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देखने में बिल्कुल आदर्श लगती है। वह मेरठ के एक ऐसे परिवार में पहुंचती है, जहां पहले से ही काफी उथल-पुथल है। अपनी समझदारी और प्यार से वह इस बिखरे हुए परिवार को खुशहाल बनाने की कोशिश करती है। देखते ही देखते जिस घर में परेशानियां थीं, वहां खुशियां आने लगती हैं। इसी बीच उसके देवर को अपनी भाभी पर शक होने लगता है। उसे लगता है कि इतनी अच्छी और परफेक्ट भाभी के पीछे कोई राज जरूर है और कहीं वह वास्तव में डायन तो नहीं। यही शक फिल्म की कहानी को हास्य और रोमांच से जोड़ता है। फिल्म में यामी गौतम धर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल दशहरे के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# टीबी मुक्त भारत अभियान: केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने दमण में टीबी उन्मूलन गतिविधियों की समीक्षा की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक एवं क्षेत्रीय दौरा संपन्न हुआ। स्वास्थ्य सचिव अस्कर अली एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी जैघम अली खान की सह-अध्यक्षता में आयोजित इस समीक्षा बैठक में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक मुख्य चिकित्सा अधिकारी और राज्य टीबी अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने नमो अस्पताल दमण का दौरा किया, जहां सभी प्रमुख गतिविधियों की समीक्षा के लिए एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। इसके साथ ही उन्होंने जिला टीबी केंद्र और सीबीनाट जांच सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सभी सैंपल्स की जांच बिना किसी बैकलॉग के समय पर की जा रही है। अस्पताल के दौरे के बाद जुम्प्रिम आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित एक जन-भागीदारी कार्यक्रम में टीबी रोगियों को निक्षय पोषण योजना के तहत पोषण किट वितरित किए गए। इस अवसर पर योजना की शुरुआत से ही संघ प्रदेश के साथ जुड़े रहे निक्षय मित्र पॉलिकैब इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी एवं उनकी टीम को टीबी उन्मूलन में उनके निरंतर एवं उत्कृष्ट सहयोग के लिए केंद्रीय प्रभारी अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। किट वितरण के दौरान प्रभारी अधिकारी ने उपचार ले रहे मरीजों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें नियमित उपचार और उचित पोषण बनाए रखने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नियमित रूप से आयोजित की जाने वाली एक्टिव केस फाइंडिंग गतिविधि के अंतर्गत चालों में रहने वाले प्रवासी औद्योगिक श्रमिकों के लिए उद्योग परिसर में एक कैंप का आयोजन किया गया था। केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने इस कैंप का दौरा किया और इसकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान अत्याधुनिक एआई-सक्षम हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन का उपयोग करके श्रमिकों की स्क्रीनिंग की गई। विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सफल अभिसरण को दर्शाते हुए, आयुष्मान आरोग्य मंदिर की टीमों द्वारा टीबी के साथ-साथ एनीमिया, लेप्रोसी, डायबिटीज और हाइपरटेंशन की भी जांच की गई। दौरे के अंत में इस बात पर जोर दिया गया कि समीक्षा के बाद स्वास्थ्य सचिव और केंद्रीय प्रभारी अधिकारी से प्राप्त दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन संघ प्रदेश को सही दिशा में ले जाएंगे, जिससे टीबी मुक्त भारत अभियान के 100% लक्ष्यों को प्राप्त कर जल्द ही प्रदेश को टीबी मुक्त बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य विभाग आम जनता से अपील करता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में पसीना आने जैसे टीबी के कोई भी लक्षण हों, तो वे तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर निःशुल्क स्क्रीनिंग करवाएं और इस अभियान में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाएं।

# दीव के घोघला पुलिस स्टेशन में विराजे गणपति बप्पा:एसपी एवं पुलिस कर्मियों ने की पूजा-अर्चना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 14 सितंबर। दीव में बड़े ही जोरशोर से गणेशोत्सव का आज शुभारंभ हो गया है। हर साल की परंपरा के अनुसार आज दीव के घोघला पुलिस स्टेशन में विधि-विधान से गणपति बप्पा की स्थापना की गई। पिछले कई सालों से पुलिस स्टेशन में गणपति बप्पा की स्थापना करके गणेशोत्सव मनाया जाता रहा है। आज सुबह पंडितजी ने धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ गणपति बप्पा की पूजा की। पूजा, थाल और आरती समेत धार्मिक रस्में पूरी करने के बाद, गणपति बप्पा की औपचारिक स्थापना की गई। इस मौके पर दीव के एसपी रामकृष्ण सरन, एसडीपीओ राहुल बल्हारा सहित पुलिस कर्मियों की उपस्थिति रही। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रद्धा के साथ गणपति बप्पा की पूजा की, दर्शन किए और बप्पा का आशीर्वाद लिया। घोघला पुलिस स्टेशन में गणपति बप्पा की स्थापना से पूरे पुलिस परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया।

# घोघला में सिद्धिविनायक सोशल ग्रुप ने विधिवत गणपति बप्पा की स्थापना की

■ 28 वर्षों से गणपति महोत्सव की भव्य परंपरा, इस वर्ष एनिमेशन के जरिए प्रस्तुत होगी मार्कंडेय ऋषि की दंतकथा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 14 सितंबर। दीव के घोघला में श्री सिद्धिविनायक सोशल ग्रुप द्वारा लगातार 28वें वर्ष गणपति महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार सुबह पंडितजी द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर गणपति बप्पा की स्थापना की गई। स्थापना समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर भगवान गणेश के दर्शन किए और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। श्री सिद्धिविनायक सोशल ग्रुप की ओर से हर वर्ष धार्मिक एवं आध्यात्मिक कथाओं को चलचित्र और एनिमेशन के माध्यम से लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष मार्कंडेय ऋषि की प्रसिद्ध दंतकथा को एनिमेशन के माध्यम से प्रस्तुत करने की तैयारी की गई है। मार्कंडेय ऋषि की कथा हिंदू धर्म की प्रेरणादायी कथाओं में शामिल है, जिसमें भक्ति, आस्था, श्रद्धा और समर्पण की शक्ति का संदेश मिलता है। एनिमेशन के माध्यम से इस कथा को आकर्षक रूप में प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं और दर्शकों को इसके आध्यात्मिक एवं धार्मिक संदेश से अवगत कराया जाएगा। श्री सिद्धिविनायक सोशल ग्रुप के गणपति बप्पा के दर्शन के लिए हर वर्ष दीव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु घोघला पहुंचते हैं। इस वर्ष भी गणपति महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है। गणपति स्थापना समारोह में श्री सिद्धिविनायक सोशल ग्रुप के अध्यक्ष राकेश सोलंकी, हितेश सोलंकी सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पूजा-अर्चना में भाग लेकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

# दमण जिले के शहरी एवं ग्रामीण विस्तारों में विभिन्न पंडालों और घरों में विराजे गणपति बप्पा

■ भक्तों ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं देश की सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की ■ 11 दिन तक चलने वाले गणेश उत्सव के दौरान बडे-बडे गणेश मंडलों द्वारा आयोजित किये जाएंगे विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। दमण जिले के शहरी एवं ग्रामीण विस्तारों में गणेश चतुर्थी के अवसर पर विभिन्न पंडालों एवं घरों में विधि-विधान के साथ गणपति बप्पा की स्थापना की गई। गणपति बप्पा के आगमन को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावट और भव्य पंडालों से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का वातावरण भक्तिमय हो गया। गणपति स्थापना के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर आरती की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली के साथ देश की तरक्की और सुख-शांति की कामना की। कई स्थानों पर भक्तों ने ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ गणपति बप्पा का स्वागत किया। गणपति बप्पा के दर्शन करने के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। दमण जिले में 11 दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव को लेकर विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। इस दौरान बड़े गणेश मंडलों की ओर से धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या, आरती, प्रसाद वितरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेंगे। गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं में सेवा, भक्ति और सामाजिक एकता की भावना भी देखने को मिल रही है। आयोजकों द्वारा पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे जिले में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से उत्सव का माहौल बना हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का गणेश मंडलों द्वारा पालन किया जा रहा है। वहीं पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए गणपति बप्पा की प्रतिमाओं को स्थापित किया गया है।

# दादरा नगर हवेली में गणेश चतुर्थी पर घर-घर विराजे गणपति

■ प्रशासन द्वारा जारी किए गए निर्देशानुसार मिट्टी से बनी मूर्तियों की हो रही है स्थापना ■ पर्यावरण को नुकसान ना हो उस पर रखा जा रहा है भरपूर ध्यान ■ 1000 से अधिक सार्वजनिक मंडपों में विराजमान हुए एकदंत, सिद्धिविनायक मित्र मंडल और सार्वजनिक मित्र मंडल में सजे भव्य गणपति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 14 सितंबर। दादरा नगर हवेली में गणेश चतुर्थी का पर्व सोमवार को पूरे श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजते रहे। घर-घर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। वहीं बड़ी संख्या में सार्वजनिक गणेश मंडलों द्वारा आकर्षक पंडाल सजाकर प्रथम पूज्य गणेश भगवान को विधि-विधान से विराजमान कराया गया। गणेशोत्सव को लेकर पूरे प्रदेश में विशेष उत्साह देखने को मिला। जिलेभर में 1000 से अधिक सार्वजनिक गणेश मंडपों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। विभिन्न मंडलों ने अपनी-अपनी थीम के अनुसार आकर्षक सजावट, विद्युत रोशनी और पूजा-अर्चना की विशेष व्यवस्था की है। कई स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही।

**सिद्धिविनायक मित्र मंडल में भव्य गणपति स्थापना:** दादरा नगर हवेली के सबसे पुराने गणेश मंडलों में शामिल सिद्धिविनायक मित्र मंडल में इस वर्ष भी भव्य गणपति प्रतिमा स्थापित की गई। मंडल संचालक श्यामराव ने बताया कि प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार मिट्टी से बनी मूर्तियो की स्थापना की गई है और प्रशासन की सभी गाइडलाइन का ध्यान रखा जा रहा है। श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने धार्मिक विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की स्थापना की। गणपति दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

**सार्वजनिक मित्र मंडल में भी भव्य आयोजन :** इसी तरह सार्वजनिक मित्र मंडल में भी आकर्षक एवं भव्य गणपति प्रतिमा विराजमान की गई। मंडल परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। गणेशोत्सव के दौरान यहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंडल के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं के लिए दर्शन एवं अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सिलवासा सहित दादरा, नरोली, रखोली, मसाट, आमली, खानवेल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी घरों तथा सार्वजनिक स्थानों पर गणपति स्थापना की गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर विघ्नों के नाश, परिवार की सुख-शांति और क्षेत्र की समृद्धि की प्रार्थना की। आने वाले दिनों में विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। गणेशोत्सव के दौरान प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। सार्वजनिक मंडलों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए आयोजकों ने भी स्वयंसेवकों की तैनाती की है। गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयघोष से दादरा एवं नगर हवेली का माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

# दमण शिक्षा विभाग की सरकारी स्कूलों में गणपति बापा की स्थापना कर मनाया गया गणपति उत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 सितंबर। दमण शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में सरकारी विद्यालयों में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गणपति उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी स्कूलों में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ गणपति बापा की स्थापना की गई। गणपति स्थापना कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की और विद्यालय में सुख, शांति, समृद्धि एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गणपति उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपरा, एकता एवं सामूहिक सहभागिता का महत्व समझाया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी। विद्यालय परिवारने मिलकर गणपति बापा मोरया के जयघोष के साथ उत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों की सहभागिता ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बना दिया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)